# स्क्रैपर एवं स्क्रैपिंग
## (Scraper and Scraping)

**स्क्रैपिंग :-** धातु को छिलना या उसके ऊपर परत को तराशना तथा उतारना जिससे सतह समतल (flat) परिशुद्ध तथा चिकनी मिलने लगे।

**खुरचनी (Scraper) :-** स्क्रैपर प्रायः टूल स्टील या एलॉय स्टील आदि के बनाए जाते है, इसका कटिंग ऐज हार्ड एवं टेम्पर किया जाता है। इसको ग्राइंड करके फिर ऑयल स्टोन पर धार को तेज कर लिया जाता है पुरानी घीसी हुई रेतियों से भी स्क्रैपर बनाए जा सकते है।

**श्रेणी :** 1. चपटी खुरचनी (Flat Scrapers)
   - (a) पुश टाइप (Push Type)
   - (b) पुल टाइप या हुक टाइप (Pull OR Hook Type)

2. अर्द्ध गोल खुरचनी (Half Round Scraper)
   - (a) स्ट्रेट टाइप (Straight Type)
   - (b) बैंड टाइप (Band Type)

3. त्रिभुजाकार खुरचनी (Triangular Scraper)

1. **Flat Scraper :-** इस प्रकार के स्क्रैपर समतल पर प्रयोग किए जाते है। इनके द्वारा धातु के छोटे-छोटे स्थान को स्क्रैप करके परिशुद्ध कर लेते है। इसका कटिंग ऐज थोड़ा उत्तल (convex) बनाया जाता है। स्क्रैपर की लम्बाई 100mm से 200mm तथा कटिंग ऐज की चौड़ाई 20mm से 30mm तक होती है।

2. **Half Round Scraper :-** इस स्क्रैपर का आकार अर्द्ध गोलाकार होता है तथा एक सिरा कुछ गोलाई में मुड़ा होता है। यह जॉब के अन्दर को गोलाकार सतह को परिशुद्ध करने के लिए प्रयोग किए जाते है। जैसे, बियरिंग में

3. **Triangular Scraper :-** यह स्क्रैपर त्रिभुज की आकृति का होता है और इसके आगे के सिरों को टेपर में बना कर तेज कर लिया जाता है जिससे इसके अगले भाग पर तीन शीर्ष कटिंग ऐजें बन जाते है। जैसे बुश बियरिंग में

Scanned with CamScanner